सामाजिक विज्ञान (कोड-087)

कक्षा 10 - सत्र 2019-20

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 8

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. प्रश्न-पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है- 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड-क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें- 1
ऐसे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से बनते है, जैव संसाधन कहलाते हैं।

उत्तर :
ऐसे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से बनते है, **अजैव** संसाधन कहलाते हैं।

2. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें- 1

कथन (A) : प्रथम विश्व युद्ध में दुनिया के प्रमुख औद्योगिक राष्ट्र सम्मिलित थे, जिन्होंने आधुनिक उद्योग की विशाल शक्तियों को दुश्मनों के सबसे बड़े संभावित विनाश के लिए उकसाया था।

कारण (R) : यह पहला आधुनिक औद्योगिक युद्ध था, जिसमें बड़े पैमाने पर रोबोट और उपग्रहों का उपयोग किया गया था।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

3. स्वयं सहायता समूह का सम्बन्ध है- 1
(a) ग्रामीण लोगों का समूह जो ऋण के क्षेत्रक में मिलकर काम करते हैं।
(b) अमीर लोगों का समूह जो मिलकर काम करते हैं।
(c) एक औपचारिक ऋण क्षेत्रक
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) ग्रामीण लोगों का समूह जो ऋण के क्षेत्रक में मिलकर काम करते हैं।

4. भारत में कौन-सी संस्था राजनीतिक दलों को पंजीकृत करती है? 1

उत्तर : भारतीय चुनाव आयोग।

अथवा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई थी?

उत्तर : सन् 1885 में।

5. लोकतंत्र के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है? 1
(a) लोकतांत्रिक सरकार निर्णय बहुत तेजी से लेती है।
(b) लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि फैसले कुछ कायदे-कानून के अनुसार हो।
(c) लोकतांत्रिक सरकार वैध सरकार हो।
(d) लोकतांत्रिक सरकार जिम्मेदार हो।

उत्तर (a) लोकतांत्रिक सरकार निर्णय बहुत तेजी से लेती है।

6. विश्व बैंक विकास के लिए देशों का वर्गीकरण करने के लिए क्या मापदंड अपनाता है? 1
(a) प्रति व्यक्ति आय
(b) जीवन प्रत्याशा दर
(c) साक्षरता दर
(d) तीन स्तरों पर नामांकन अनुपात

उत्तर (a) प्रति व्यक्ति आय

7. बेल्जियम में सामान्य रूप से कौन-सी दो भाषाएँ बोली जाती है 1
(a) फ्रेंच और अंग्रेजी (b) डच और अंग्रेजी

(c) फ्रेंच और डच (d) डच और सिंहली

उत्तर (c) फ्रेंच और डच

8. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प इस कार्टून को सबसे अच्छा दर्शाता है– 1

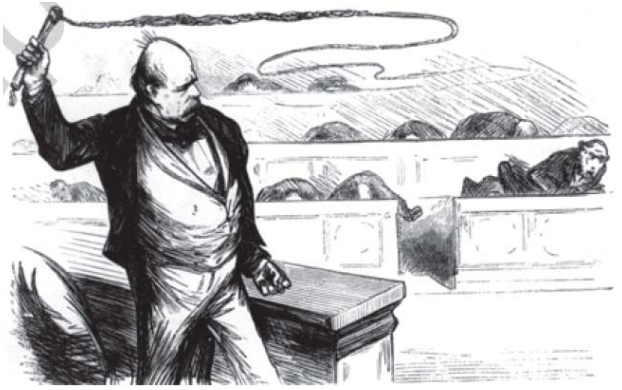

(a) बिस्मार्क और संसद के निर्वाचित डेप्यूटीज के बीच सम्बन्ध

(b) एकीकरण से पूर्व इटली के राज्यों की स्थिति

(c) जर्मनी की क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान करते बिस्मार्क

(d) राष्ट्रीय एकीकरण आन्दोलन में बिस्मार्क की भूमिका

उत्तर (a) बिस्मार्क और संसद के निर्वाचित डेप्यूटीज के बीच सम्बन्ध

9. नीचे दिए गए चित्र को पहचानकर सही विकल्प का चयन करें– 1

(a) स्पिनिंग जेनी मशीन

(b) वाटर फ्रेम

(c) कृषि में प्रयोग होने वाला तकनीकी उपकरण

(d) म्यूल नामक कातने की मशीन

उत्तर (c) कृषि में प्रयोग होने वाला तकनीकी उपकरण

10. सामुदायिक सरकार से क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर

जब सत्ता का बँटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे कि भाषायी समूह और धार्मिक समूहों के बीच होता है तो वह सामुदायिक सरकार कहलाती है।

11. किस देश में सार्वजनिक जीवन में स्त्रियों की भागीदारी बहुत ज्यादा है? 1

उत्तर स्वीडन।

अथवा

किस देश में महिलाओं की सार्वजनिक क्षेत्र में सहयोगिता बहुत कम है?

उत्तर दक्षिण अफ्रीका।

12. निम्नलिखित घटनाओं को उनके घटित होने के क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

1. बंगाल गजट नामक समाचार पत्र का प्रकाशन।
2. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट लागू होना।
3. भारत में प्रिंटिंग प्रेस का आगमन।
4. गुटेनबर्ग द्वारा छपाई की नई तकनीक की खोज।

(a) 4–3–1–2 (b) 3–1–2–4

(c) 3–4–1–2 (d) 4–2–3–1

उत्तर (a) 4–3–1–2

13. **साथ रहकर** संघ की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता कौन–सी है? 1

उत्तर

केंद्र सरकार में राज्य सरकारों की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनने की प्रवृत्ति होती है।

अथवा

एकात्मक सरकार क्या है?

उत्तर

एकात्मक सरकार के अन्तर्गत शासन का एक ही स्तर होता है और बाकी इकाइयाँ उसके अधीन होकर काम करती हैं।

14. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए– 1

राजनीतिक दल	**स्थापना वर्ष**	**गठबंधन/मोर्चा**	**चुनाव चिन्ह**
भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस	(A)–?	(B)–?	हाथ का पंजा

उत्तर

(A) – 1885

(B) – संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन

15. .... उद्योग कुटीर उद्योग के रूप में घर पर बुनकरों को रोजगार प्रदान करता है। 1

उत्तर हाथ से बुनाई

अथवा

भारत, ... के बाद जूट का सबसे बड़ा निर्यातक है।

उत्तर बांग्लादेश

16. हालांकि .... से अधिक खनिजों की पहचान की गई है, पर कुछ ही बहुतायत मात्रा में चट्टानों में पाए जाते हैं। 1

उत्तर 2000

अथवा

भूगोलविदों की बेहतर समझ के लिए भूगर्भ के हिस्से के रूप में भूगोलवेत्ता .... का अध्ययन करते हैं।

उत्तर खनिज

17. नीचे अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रकों के सकल घरेलू उत्पाद से सम्बन्धित दण्ड आरेख दिया गया है– 1

ऊपर दिए गए दण्ड आरेख का विश्लेषण करते हुए निम्न में से सही निष्कर्ष का चयन कीजिए–

(a) GDP में प्राथमिक क्षेत्रक का योगदान बढ़ता जा रहा है।

(b) GDP में द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों का योगदान घटता जा रहा है।

(c) GDP में प्राथमिक क्षेत्रक का योगदान घटता जा रहा है और द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों का योगदान बढ़ता जा रहा है।

(d) GDP में प्राथमिक क्षेत्रकों का योगदान बढ़ता जा रहा है और द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों का योगदान घटता जा रहा है।

उत्तर (c) GDP में प्राथमिक क्षेत्रक का योगदान घटता जा रहा है और द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों का योगदान बढ़ता जा रहा है।

18. सूची–I और सूची–II में मेल ढूँढ़ें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों से सस्ती दरों पर खरीदती हैं।	क	मोटर गाड़ियाँ
2.	आयात पर कर और कोटा का उपयोग, व्यापार नियमन के लिए किया जाता है।	ख	कपड़ा, जूते–चप्पल, खेल के सामान
3.	विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियाँ।	ग	कॉल सेंटर
4.	आई. टी. ने सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में सहायता की है।	घ	टाटा मोटर्स, इंफोसिस रैनबैक्सी
5.	अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्पादन करने के लिए निवेश किया है।	ड़	व्यापार अवरोधक

उत्तर 1–ख, 2–ड़, 3–घ, 4–ग, 5–क

19. "मुद्रण तकनीक ने महिलाओं को अपनी भावनाएँ बाहरी दुनिया से बाँटने का अवसर दिया।" एक उपयुक्त उदाहरण की सहायता से कथन का समर्थन कीजिए।

उत्तर

कई पत्रिकाओं ने लेखिकाओं को जगह दी और उन्होंने नारी शिक्षा की जरूरत को बार–बार रेखांकित किया।

20. प्रथम जूट मिल की स्थापना .... द्वारा भारत में की गई थी। 1

उत्तर सेठ हुकुमचंद

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. वैश्वीकरण और उदारीकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं का उल्लेख कीजिए। 3

उत्तर :

वैश्वीकरण और उदारीकरण के कुछ सकारात्मक पहलू

1. वैश्वीकरण और उदारीकरण ने देश के आर्थिक विकास को तीव्रता प्रदान की है। विशाल औद्योगिक आकार ने देश में औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाया है।
2. निर्धनता रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है।
3. हम खाद्यान्न की दृष्टि से आत्मनिर्भर हुए हैं
4. लोगों की बचतों को गतिशील बनाया हैं।
5. देश ने विकास के लिए अपने संसाधन जुटा लिए हैं।
6. देश में वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक कार्यों में कुशल लोगों का एक बहुत बड़ा समूह तैयार हो गया हैं।
7. देश में निर्यात से जुड़े हुए उद्योग ज्यादा लगाए जा रहे हैं।

अथवा

अर्थव्यवस्था के उदारीकरण का क्या अभिप्राय है? अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर :

उदारीकरण से अभिप्राय है सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था (व्यापार, उद्योग आदि) पर लगाए गए नियंत्रणों को पूर्णतः हटाया जाना।

उदारीकरण के लिये किए गए उपाय

1. इसके अंतर्गत पूँजीगत पदार्थों तथा तकनीकी के आयात की छूट दी गई है।
2. व्यापार पर प्रतिबंध हटा दिए गए हैं।
3. लाइसेंस तथा पंजीकरण को समाप्त किया गया है।
4. एकीकरण से छूट दी गई है।
5. उद्योगों को विस्तार करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है।

22. 18वीं शताब्दी में हुए आविष्कारों का उत्पादन प्रक्रिया पर प्रभाव व लाभों का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर :

18वीं शताब्दी में हुए आविष्कारों का उत्पादन प्रक्रिया पर प्रभाव व लाभ निम्नलिखित थे–

1. प्रति मजदूर उत्पादन में वृद्धि हुई।
2. वस्त्र उद्योग में पहले से ज्यादा मजबूत धागों व रेशों का उत्पादन होने लगा।
3. रिचर्ड आर्कराइट द्वारा सूती कपड़ा मिल की रूपरेखा बनाने के पश्चात् मशीनों को कारखाने में लगाया जा सकता था।
4. कारखाने में सारी प्रक्रियाएँ एक ही छत के नीचे और एक मालिक के हाथों में आ गई थीं।
5. अब उत्पादन प्रक्रिया पर निगरानी, गुणवत्ता का ध्यान रखना और मजदूरों पर नजर रखना संभव हो गया था।

अथवा

ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी वस्तुओं की नियमित आपूर्ति पर किस प्रकार कब्जा जमा लिया? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. ईस्ट इंडिया कंपनी ने कपड़े के व्यापार से जुड़े हुए व्यापारियों तथा दलालों को धीरे–धीरे खत्म करना शुरू कर दिया। इसने बुनकरों पर अपेक्षाकृत अधिक प्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित किया।
2. कंपनी ने वेतनभोगी कर्मचारी नियुक्त किये जिन्हें गुमाश्ता कहा जाता था। ये लोग कंपनी के बुनकरों पर निगरानी रखते थे, माल इकट्ठा करते थे तथा कपड़ों की गुणवत्ता जाँचने का कार्य करते थे।
3. कंपनी ने बुनकरों को अपने विरोधियों के साथ सौदा करने पर रोक लगा दी। इसके लिए उसने बुनकरों को अग्रिम राशि दी। बुनकरों को वस्तुओं के उत्पादन हेतु कच्चे माल की खरीद के लिये ऋण भी उपलब्ध कराये।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1+1+1=3$

स्रोत क : गुटेन्बर्ग और प्रिंटिंग प्रेस

गुटेन्बर्ग के पिता व्यापारी थे और वह खेती की एक बड़ी रियासत में पल–बढ़कर बड़ा हुआ। वह बचपन से ही तेल और जैतून पेरने की मशीनें देखता आया था। बाद में उसने पत्थर पर पॉलिश करने की कला सीखी, फिर सुनारी और अंत में उसने शीशे को इच्छित आकृतियों में गढ़ने में महारत हासिल कर ली। अपने ज्ञान और अनुभव का इस्तेमाल उसने अपने नए आविष्कार में किया। जैतून प्रेस ही प्रिंटिंग प्रेस का मॉडल या आदर्श बना और साँचे का उपयोग अक्षरों की धातुई आकृतियों को गढ़ने के लिए किया गया। गुटेन्बर्ग ने 1448 तक अपना यह यंत्र मुकम्मल कर लिया था। उसने जो पहली किताब छापी, वह थी बाइबिल। तकरीबन 180 प्रतियाँ बनाने में उसे तीन साल लगे। जो उस समय के हिसाब से काफी तेज था।

स्रोत–ख : पढ़ने का जुनून

पूरे सत्रहवीं और अठारहवीं सदी के दौरान यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में साक्षरता बढ़ती रही। अलग–अलग संप्रदाय के चर्चों ने गाँवों में स्कूल स्थापित किए और किसानों–कारीगरों को शिक्षित करने लगे। अठारहवीं सदी के अंत तक यूरोप के कुछ हिस्सों में तो साक्षरता दर 60 से 80 प्रतिशत तक हो गई थी। यूरोपीय देशों में साक्षरता और स्कूलों के प्रसार के साथ लोगों में पढ़ने का जैसे जुनून पैदा हो गया। लोगों को किताबें चाहिए थीं, इसलिए मुद्रक ज्यादा से ज्यादा किताबें छापने लगे।

स्रोत–ग : बच्चे, महिलाएँ और मजदूर

महिलाएँ पाठिका और लेखिका की भूमिका में ज्यादा अहम हो गईं। पेनी मैगजींस या एकपैसिया पत्रिकाएँ खास तौर पर उन्हीं के लिए होती थीं, वैसे ही जैसे कि सही चाल–चलन और गृहस्थी सिखाने वाली निर्देशिकाएँ। उन्नीसवीं सदी में जब उपन्यास छपने लगे तो महिलाएँ उनका अहम पाठक मानी गईं। मशहूर उपन्यासकारों में लेखिकाएँ अग्रणी थीं: जेन ऑस्टिन, ब्रॉण्ट बहनें, जॉर्ज इलियट आदि। उनके लेखन से नयी नारी की परिभाषा उभरी: जिसका व्यक्तित्व सुदृढ़ था, जिसमें गहरी सूझ–बूझ थी और जिसका अपना दिमाग था, अपनी इच्छाशक्ति थी।

स्रोत क

23.1 गुटेन्बर्ग कौन था? 1

उत्तर :

गुटेन्बर्ग एक व्यापारी के पुत्र थे जो खेती की एक बड़ी रियासत में पलकर बड़े हुए थे। वे बचपन से ही तेल और जैतून पेरने की मशीन देखते आए थे।

स्रोत ख

23.2 'पढ़ने का जुनून' (Reading Mania) क्या था? 1

उत्तर :

यूरोपीय देशों में स्कूल एवं साक्षरता के प्रसार के साथ लोगों में पढ़ने का जुनून उत्पन्न हो गया। लोगों को पढ़ने के लिए पुस्तकें चाहिए थीं, अतः मुद्रक अधिक से अधिक पुस्तकें मुद्रित करने लगे।

स्रोत ग

23.3 महिला उपन्यासकारों के बारे में विशिष्ट क्या था? 1

उत्तर :

महिला उपन्यासकारों के लेखन से नयी नारी की परिभाषा सामने आई–जिसका व्यक्तित्व सुदृढ़ था, जिसमें गहरी सूझ–बूझ थी और जिसका अपना दिमाग तथा इच्छाशक्ति थी।

24. उस अधात्विक खनिज का नाम बताइये जिसका पतली चादरों के रूप में विघटन आसानी से हो सकता है। इसके उपयोगों का उल्लेख कीजिए। 3

उत्तर :

पतली चादरों में परिवर्तित किया जा सकने वाला अधात्विक खनिज अभ्रक है। इसका आसानी से विघटन किया जा सकता है।

उपयोग– अभ्रक विद्युत तथा ऊष्मा का कुचालक होता है। इस कारण से इसे पतली चादरों की विशेष आकृति प्रदान करके विद्युत चालित उपकरणों में जैसे बिजली की प्रैस, गीजर आदि में प्रयोग किया जाता है। अभ्रक के उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। इसका अन्य देशों को निर्यात करके विदेशी मुद्रा भी अर्जित की जाती है।

अथवा

मुंबई हाई से आप क्या समझते हैं? देश की अर्थव्यवस्था में इसका क्या योगदान है?

उत्तर :

अरब सागर में खाड़ी खंबात में मुंबई तट के साथ 115 किमी. दूर तेल क्षेत्रों का पता लगाया गया था। यह तेल क्षेत्र 19 फरवरी, 1974 को स्थापित हुआ। सागर सम्राट नामक पोत की मदद से खुदाई की गई जो जापान से मंगाया गया। यह भारत का सबसे धनी तेल क्षेत्र है। इसे मुंबई हाई के नाम से जाना जाता है। यह पाइप–लाइन द्वारा तट से जुड़ा हुआ है।

भारत की अर्थव्यवस्था में मुंबई हाई का योगदान– देश की घरेलू आवश्यकता की अधिकांश पूर्ति यहीं से की जाती है। वर्तमान में यह देश के कुल उत्पादन का 65% योगदान करता है। इससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

25. निजी क्षेत्र तथा सार्वजनिक क्षेत्र में अंतर बतायें। 3

उत्तर :

	निजी क्षेत्र	**सार्वजनिक क्षेत्र**
1.	उद्योग जो व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह द्वारा स्थापित किए जाते हैं।	उद्योग जिनका प्रबंधन समुदाय या सरकार के पास होता है उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग कहते हैं।
2.	निजी क्षेत्र के उद्योगों का प्रमुख उद्देश्य लाभ कमाना है।	सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग देश तथा जनता की भलाई को ध्यान में रखते हैं।
3.	निजी उद्योग कड़ी स्पर्धा के साथ चलते हैं जैसे–जापान, यू.एस.ए. में।	सार्वजनिक क्षेत्र सामाजिक ढाँचे के अनुसार चलता है जैसे–भारत में।
4.	उदाहरण– टाटा लौह–इस्पात संयंत्र।	उदाहरण– भिलाई लौह–इस्पात संयंत्र।

26. मानव विकास से क्या अभिप्राय है? मानव विकास को मापने वाले विभिन्न मापदंड लिखें। 3

उत्तर :

मानव विकास– मानव विकास से अभिप्राय है निर्धनता को कम करने पर विशेष बल देना और असमानता तथा बेरोजगारी के बीच की खाई को पाटने के साथ ही मानव जीवन के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पहलुओं का सतत् विकास।

मानव विकास को मापने के विभिन्न मापदंड– दीर्घ आयु और स्वस्थ शरीर, शिक्षा, जानकारी तथा सूचना प्राप्त करने का अधिकार, आजीविका अर्जन के सुअवसर, शालीन जीवन स्तर, प्राकृतिक संसाधनों तक पहुँच, निजी और सामाजिक सुरक्षा, समानता और मानव–अधिकारों की रक्षा करने वाले राजनीतिक वातावरण की प्राप्ति।

27. सरकार किस प्रकार वैश्वीकरण के लाभ समाज के सभी वर्गों को उपलब्ध करवा सकती है? कोई चार संभव चरण लिखें।

उत्तर :

सरकार निम्नलिखित विधियों से वैश्वीकरण के लाभ समाज के सभी वर्गों को उपलब्ध करवा सकती है–

1. सरकार यह देखे कि श्रम कानूनों को सही ढंग से लागू किया गया है और कर्मचारियों को समुचित अधिकार प्राप्त हैं।
2. सरकार छोटे उत्पादकों को अपने निष्पादन को सुधारने में तब तक सहायता करे जब तक वे प्रतियोगिता करने में समर्थ नहीं हो जाते।
3. यदि आवश्यक हो तो सरकार निवेश तथा व्यापार पर अवरोध लगा सकती है।
4. अपने हितों की पूर्ति के लिए सरकार विश्व व्यापार से समझौते कर सकती है।

अथवा

कोई ऐसी चार विधियाँ बताएँ जिनके अंतर्गत बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्पादन तथा विश्व के विभिन्न देशों से अंतर्संबंध बढ़ाए हैं।

उत्तर :

निम्नलिखित विधियों से बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्पादन तथा विश्व के विभिन्न देशों से अंतर्संबंध बढ़ाए हैं–

1. उत्पादन के लिए फैक्टरियों/कार्यालयों की प्रत्यक्ष स्थापना।
2. इन देशों की स्थानीय कंपनियों में संयुक्त रूप से उत्पादन करना।
3. स्थानीय कंपनियों को खरीदना और उनका विस्तार करना।
4. दूसरे देशों के छोटे उत्पादकों को उत्पादन के ऑर्डर (Order) देना।

28. राष्ट्रीय दलों तथा क्षेत्रीय दलों में कोई तीन मुख्य अंतर बताइए। 3

उत्तर :

	राष्ट्रीय दल	क्षेत्रीय दल
1.	राष्ट्रीय राजनीतिक दल का साधारणतया संपूर्ण राष्ट्र में प्रभाव होता है।	क्षेत्रीय दल का संपूर्ण राष्ट्र में प्रभाव नहीं होता है बल्कि यह तो एक विशेष क्षेत्र अथवा राज्य तक ही सीमित होता है।
2.	राष्ट्रीय दलों की संपूर्ण राष्ट्र में शाखाएँ होती हैं।	क्षेत्रीय दलों की संपूर्ण प्रदेश में शाखाएँ होती हैं।
3.	यह किसी विशेष क्षेत्र के मुद्दों पर ध्यान देने की जगह संपूर्ण राष्ट्र से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देते हैं।	क्षेत्रीय दल साधारणतया क्षेत्रीय मुद्दों को महत्त्व देते हैं तथा अपने राज्य को उन्नत करने का प्रयास करते हैं।

खण्ड-ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. 1920 के दशक में भारतीय राजनीति को आकार देने वाले अति महत्त्वपूर्ण कारकों की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

1920 के दशक में भारतीय राजनीति को आकार प्रदान करने वाले कुछ कारक निम्नलिखित थे-

1. युद्ध के वर्षों के दौरान 1913 एवं 1918 के बीच वस्तुओं की कीमत लगभग दो गुनी हो गई। इससे आम आदमी को घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।
2. ग्रामीणों को सिपाहियों की आपूर्ति करने के आदेश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की बलपूर्वक बहाली ने लोगों के बीच सरकार के प्रति तीव्र क्रोध की भावना पैदा की।
3. वर्ष 1918 से 1921 के दौरान भारत के कई हिस्सों में फसलें खराब हो गई, इसके कारण खाद्यान्नों की भारी कमी उत्पन्न हुई।
4. युद्ध के कारण हथियारों के निर्माण एवं आपूर्ति पर भारी खर्च हुआ जिसे युद्ध ऋण के द्वारा पूरा किया गया तथा इसकी क्षतिपूर्ति के लिए चुंगी कर में वृद्धि की गई तथा आयकर के रूप में एक कर आरोपित किया गया।
5. साइमन कमीशन जिसकी नियुक्ति भारत में संवैधानिक तंत्र के कार्य-कलाप के मूल्यांकन तथा आवश्यक परिवर्तन संबंधी सलाह देने के लिए की गई थी, में कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था।

   इन सभी कारकों ने भारत में 1920 के दशक के दौरान एक नई आर्थिक-राजनीतिक परिस्थिति का निर्माण किया।

अथवा

भारत में कुछ मुस्लिम राजनीतिक संगठन सविनय अवज्ञा आन्दोलन के प्रति उदासीन थे। इस कथन की परख कीजिए।

उत्तर :

भारत में सविनय अवज्ञा आन्दोलन 9 अप्रैल 1930 को महात्मा गाँधी द्वारा देशवासियों के समक्ष रखा गया। देश के कोने-कोने में इसकी सूचना पहुँच गयी तथा लोगों ने आन्दोलन के अन्तर्गत सहयोग न करना और औपनिवेशिक कानूनों का उल्लंघन शुरू कर दिया। विदेशी कपड़ों की होली जलायी, नमक कानून तोड़ा, किसानों ने लगान तथा चौकीदारी कर को चुकाने से मना कर दिया, परन्तु कुछ मुस्लिम राजनीतिक संगठनों ने इस आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग नहीं लिया। इसके निम्न कारण थे-

1. अंग्रेजों द्वारा चलाई गई **फूट डालो शासन करो** की नीति ने मुस्लिम समुदाय को सदैव सशंकित रखा। वे मुख्य धारा से जुड़ नहीं पाए।
2. मुस्लिम लीग ने प्रचार किया कि हिन्दू तथा मुसलमान दो अलग-अलग कौमें हैं। इस प्रचार से मुस्लिम राजनीतिक संगठन सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग न लेकर उसके प्रति उदासीन रहे।
3. मुसलमानों ने अंग्रेजी सरकार के सामने ऐसी-ऐसी माँगे रखीं जिसे पूरा करने में सरकार असमर्थ थी तथा जिनका हल केवल देश का विभाजन ही था।
4. हिन्दू महासभा द्वारा हिन्दू राष्ट्र की माँग के प्रचार ने मुस्लिम नेताओं को मुसलमान राज्य की माँग करने पर आग में घी डालने का काम किया।
5. सर सैयद अहमद खान जैसे लोगों ने भी मुसलमानों को किसी राजनीतिक आंदोलन में भाग न लेने के लिए कहा क्योंकि उनके अनुसार आंदोलन से इस कौम का कोई भला नहीं होने वाला था।

उपर्युक्त कारणों के कारण कुछ मुसलमान राजनीतिक संगठन सविनय आन्दोलन के प्रति उदासीन हो गये।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें- $1+2+2=5$

भारतीय संघ की कई इकाइयों को बहुत ही कम अधिकार हैं। ये वैसे छोटे इलाके हैं जो अपने आकार के चलते स्वतंत्र प्रांत नहीं बन सकते। इन्हें किसी मौजूदा प्रांत में विलीन करना भी संभव नहीं है। चंडीगढ़ या लक्षद्वीप अथवा देश की राजधानी दिल्ली जैसे इलाके इसी कोटि में आते हैं और इन्हें केंद्र शासित प्रदेश कहा जाता है। इन क्षेत्रों को राज्यों वाले अधिकार नहीं है। इन इलाकों का शासन चलाने का विशेष अधिकार केंद्र सरकार को प्राप्त है।

केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का यह बँटवारा हमारे संविधान की बुनियादी बात है। अधिकारों के इस बँटवारे में बदलाव करना आसान नहीं है। अकेले संसद इस व्यवस्था में बदलाव को पहले संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से मंजूर किया जाना होता है। फिर कम से कम आधे राज्यों की विधान सभाओं से उसे मंजूर करवाना होता है।

संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के क्रियान्वयन की देख-रेख में न्यायपालिका महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शक्तियों के बँटवारे के संबंध में कोई विवाद होने की हालत में फैसला उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में ही होता है। सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने के लिए जरूरी राजस्व की उगाही के संबंध में केंद्र और राज्य सरकारों को कर लगाने और संसाधन जमा करने के अधिकार हैं।

30.1 एक देश के अधिकारों के बँटवारे की व्यवस्था में परिवर्तन कैसे किया जाता है?

30.2 "केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का बँटवारा हमारे संविधान की बुनियादी बात है।" व्याख्या करें।

30.3 संघात्मक व्यवस्था में 'न्यायपालिका की भूमिका' का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

30.1

ऐसे किसी भी बदलाव के लिए, बदलाव को पहले संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से मंजूर किया जाना होता है। फिर कम से कम आधे राज्यों की विधान सभाओं से उसे मंजूर करवाना होता है।

30.2

(a) संघीय सरकार में, बुनियादी प्रावधानों का सरकार के एक स्तर द्वारा बदलाव नहीं किया जा सकता और यह भारत के बारे में भी सच है।

(b) अकेले संसद इस व्यवस्था में बदलाव नहीं कर सकती। ऐसे किसी भी बदलाव को पहले संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से मंजूर किया जाना होता है, फिर कम-से-कम आधे राज्यों की विधान सभाओं से उसे मंजूर करवाना होता है।

30.3

संघात्मक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका

संघात्मक सरकार का यह एक अनिवार्य तत्त्व है। केन्द्र व प्रान्तों में शक्तियों का विभाजन प्रायः इस आधार पर होता है कि जो विषय सारे देश से संबंधित होते हैं वे केन्द्रीय सरकार को सौंप दिए जाते हैं तथा जो स्थानीय महत्त्व के होते हैं वे प्रान्तीय सरकारों को सौंप दिए जाते हैं, परंतु कई बार केन्द्र व राज्यों में मतभेद उत्पन्न हो जाता है। संघात्मक शासन में राज्यों के आपसी तनाव के कारण गृह युद्ध छिड़ जाने की संभावना रहती है। इस संभावना को एक स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका दूर करती है। संविधान की व्याख्या करने तथा उसकी रक्षा करने की शक्ति भी न्यायपालिका में निहित रखी है। न्यायपालिका केन्द्र तथा प्रान्तों के उन कानूनों को अवैध घोषित कर सकती है जो संविधान के विरुद्ध होते हैं।

31. चावल की खेती के लिए उपयुक्त भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन करें। 5

उत्तर :

चावल भारतवासियों का एक महत्त्वपूर्ण खाद्यान्न है। चावल की खेती के लिए उपयुक्त परिस्थितियाँ निम्नलिखित हैं-

1. **तापमान-** चावल उष्ण कटिबंध का पौधा है। इसलिए यह गरम और आर्द्र जलवायु में खूब फलता-फूलता है। इसके लिए 25° सेंटीग्रेड से अधिक ताप की आवश्यकता होती है।
2. **वर्षा-** चावल के लिए 100 सेमी. से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है, इसके पौधे की जड़ें पानी में डूबी रहनी चाहिए। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सिंचाई की उपयुक्त सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए।
3. **भूमि-** इसके लिए समतल भूमि तथा उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है।
4. **श्रम-** चावल की कृषि के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है क्योंकि सभी कार्य हाथों से करने पड़ते हैं।

32. दैनिक जीवन में मुद्रा का किस प्रकार उपयोग किया जाता हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

मुद्रा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निश्चित मूल्य दर्शाने वाली वस्तु है। वर्तमान युग में क्रय-विक्रय हेतु इसका उपयोग किया जाता है।

1. किसी वस्तु को खरीदते समय मुद्रा उसके मूल्य को निर्धारित करने में सहयोग करती है। मुद्रा का रूप सूक्ष्मतम एक पैसे से लेकर ₹1000 तक प्रचलन में है। अतः यह वस्तु के अंश में भी क्रय-विक्रय करने में सहायता प्रदान करती हैं।
2. श्रमिकों एवं अन्य कर्मचारियों के मासिक वेतन का निर्धारण करने में मुद्रा सरलता एवं सहयोग प्रदान करती हैं।
3. मुद्रा को भविष्य के लिए घर तथा बैंकों में संचित किया जा सकता हैं।
4. मुद्रा को सरलता से देश-विदेश में भी भेजा जा सकता हैं।
5. मुद्रा के आधार पर व्यक्ति की निजी संपत्ति का मूल्यांकन किया जा सकता है। इससे समाज में उसके स्थान तथा अस्तित्व को भी आँका जा सकता हैं।

33. भारत में जाति-राजनीति संबंध के दो सकारात्मक तथा तीन नकारात्मक प्रभावों को लिखिए। 5

उत्तर :

सकारात्मक प्रभाव

1. जाति-राजनीति संबंध ने दलितों एवं अन्य पिछड़ी जाति के लोगों की लोकतांत्रिक फैसलों में भागीदारी को बढ़ाया है।
2. अब लोग किसी जाति विशेष के साथ किए जा रहे भेद-

भाव, सम्मान की सुरक्षा तथा भूमि संसाधन एवं नौकरियों के समान अवसर की उपलब्धता के लिए आवाज उठाने लगे हैं।

नकारात्मक प्रभाव

1. यह अन्य ज्वलंत मुद्दों जैसे गरीबी, विकास तथा भ्रष्टाचार आदि से लोगों का ध्यान हटा देता है।
2. कभी-कभी कुछ विशिष्ट जाति के लोग अधिक लाभान्वित होते हैं जबकि अन्य जाति के लोग इन लाभों से वंचित रह जाते हैं।
3. कभी-कभी यह सामाजिक सद्भाव को ठेस पहुँचाता है।
4. कुछ मामलों में यह तनाव एवं संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर देता है, जिसका परिणाम कभी-कभी जातीय हिंसा के रूप में भी सामने आता है।

अथवा

अस्पृश्यता से आप क्या समझते हैं? छुआछूत की बुराई को हटाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर :

अस्पृश्यता अथवा छुआछूत भारतीय समाज का एक बहुत बड़ा कलंक है। हिन्दू समाज जो भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 75% है, चार जातियों में बँटा हुआ है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य उच्च वर्ग हैं तथा शूद्र निम्न वर्ग है। शूद्रों को अछूत समझा जाता रहा है। वर्ण व्यवस्था पहले कर्म पर आधारित थी, पर अब जन्म पर आधारित हो गई। परिणामस्वरूप शूद्र परिवार में जन्म लेने वाले व्यक्ति भी शूद्र माने गए। सवर्ण शूद्रों को घृणा की दृष्टि से देखते थे। मुगलों व अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को और अधिक फलने-फूलने दिया ताकि समाज विघटित रहे।

अस्पृश्यता (छुआछूत) समाप्त करने के लिये उठाये गये कदम

1. संविधान की धारा 17 के अनुसार छुआछूत को समाप्त कर दिया गया है। किसी भी रूप में इसका प्रयोग निषिद्ध कर दिया गया है।
2. किसी भी व्यक्ति के साथ अछूतों जैसा व्यवहार करना अथवा उसको अछूत समझकर सार्वजनिक स्थानों-तालाबों, होटलों, घाटों, कुओं, पार्कों तथा मनोरंजन के स्थानों के प्रयोग से रोकना कानूनी अपराध है।
3. संविधान में (मौलिक अधिकारों के अध्याय में) यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ उसके धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग तथा जन्म स्थान अथवा इनमें से किसी एक के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा।

34. व्याख्या कीजिए कि एक देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक कैसे योगदान करता है? 5

उत्तर :

किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता। सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सार्वजनिक क्षेत्रक के द्वारा किया जाता है।

ऐसी गतिविधियाँ जिनकी आवश्यकता समाज के सभी सदस्यों को होती है, जैसे सड़कों, पुलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना सार्वजनिक क्षेत्रक का काम है। सरकार ऐसे भारी व्यय स्वयं उठाती है। सरकार किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए गेहूँ और चावल खरीदती है। इसे अपने गोदामों में भंडारित करती है और राशन की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कम मूल्य पर बेचती है। इस प्रकार सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को सहायता पहुँचाती है।

सभी के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे प्राथमिक कार्य भी सार्वजनिक क्षेत्रक में आते है। समुचित ढंग से विद्यालय चलाना और गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का कर्त्तव्य है। इस प्रकार किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का योगदान महत्त्वपूर्ण हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए- 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ 22 पुलिसवालों को हिंसक भीड़ द्वारा जला दिया गया था और इस कारण गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को वापिस ले लिया था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें- 4

(i) अमृतसर (राजा सांशी) - अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) कल्पाक्कम - आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) इंदौर - सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) सेलम - लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) मुम्बई - सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) पारादीप - प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

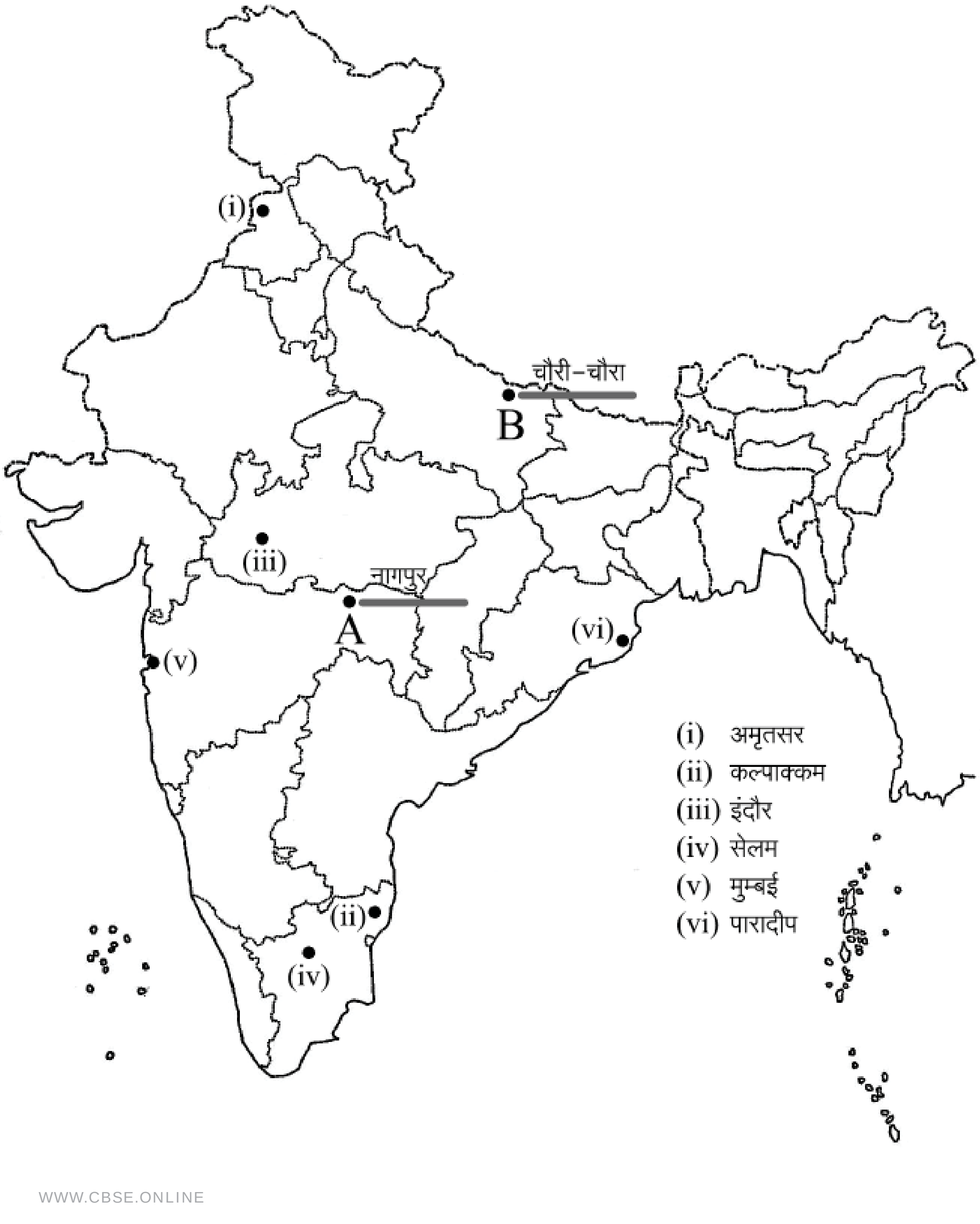

WWW.CBSE.ONLINE